BCC - 10

Creating an Inclusive education

Continue

* वैयक्तिक विभिन्नता के प्रकार :- व्यक्ति के जीवन के भिन्न-भिन्न क्षेत्रो मे वैयक्तिक विभिन्नता पाई जाती है। अतः वैयक्तिक विभिन्नता के कई प्रकार है -

(1) शारीरिक विकास - शारीरिक विकास मे विभिन्नता एक ऐसी विभिन्नता है जिसका प्रत्येक व्यक्ति स्पष्ट रूप से प्रत्यक्षण कर सकता है। इसके लिए कोई विशेष उपकरण या प्रशिक्षण की आवश्यकता नही होती है। एक ही उम्र के बालको के शारीरिक विकास एवं परिपक्वता मे स्पष्ट अन्तर देखने को मिलता है।

(2) मानसिक विकास :- विभिन्न उम्र के व्यक्तियो के मानसिक विकास मे अन्तर तो होता ही है, साथ ही एक ही उम्र के बालको के मानसिक विकास मे, विशेषकर उनके बुद्धि स्तर मे अंतर होता है।

(3) संवेगिक विभिन्नता :- बालको मे संवेगिक विभिन्नता पाई जाती है कुछ बालको मे क्रोध, भय घृणा जैसे जैसे गुण अधिक मात्रा मे पाया जाता है तो कुछ मे स्नेह, प्रेम जैसे गुणो की प्रधानता होती है। एक ही परिस्थिति मे कुछ व्यक्तियों मे भिन्न-भिन्न प्रकार के संवेग उत्पन्न होते है।

Scanned with CamScanner

BCC - 10

(5)

Continue

* सामाजिक विकास :- बालको के सामाजिक विकास मे भी भिन्नता पाई जाती है। कुछ बालक संकोची शर्मिले होते है तो कुछ नेतृत्व करने की क्षमता होती है। एक सामाजिक परिस्थिति मे भी भिन्न-भिन्न बालको के द्वारा भिन्न-भिन्न प्रकार के सामाजिक प्रतिक्रियाए कि जाती है।

* भाषा विकास :- बालको मे वैयक्तिक विभिन्नता भाषा विकास मे भी पाई जाती है। समान उम्र मे सभी बालको मे भाषा का विकास समान रूप से रूप नहीं होता है कुछ बालको मे लिखने, बोलने समझने की शक्ति अधिक विकसित होती है। जिसके कारण समान उम्र व बुद्धि के बावजूद शैक्षिक उपलब्धि मे अंतर उत्पन्न हो जाता है।

* व्यक्तित्व विभिन्नता :- बालको के व्यक्तित्व मे भी अंतर पाया जाता है कुछ बालक अन्तर्मुखी तो कुछ बहिर्मुखी होते है। किसी मे नेतृत्व करने की क्षमता अधिक पाई जाती है तो कुछ मे अनुयायी बनने के गुण पाये जाते है।।

* ज्ञानात्मक तथा क्रियात्मक क्षमताओं मे अंतर :- विभिन्न अध्ययनो से ज्ञात होता है कि कुछ

Scanned with CamScanner

छात्रो मे क्रियात्मक नियंत्रण तथा ज्ञानात्मक - क्रियात्मक समन्वय की क्षमता अधिक होती है जिसके परिणामस्वरूप वे उन कार्यों मे अधिक निपुण होते हैं जिनमे ज्ञानात्मक क्रियात्मक समन्वय की आवश्यकता होती है।

* अभिरुचि तथा अभिक्षमता मे अंतर → छात्रो की अभिरुचियो मे स्पष्ट अंतर होता है। कुछ छात्र जहाँ खेलना ज्यादा पसंद करते हैं तो कुछ छात्रो को पढने मे अधिक रुचि होती है। इसीप्रकार का अंतर उनकी अभिक्षमता या अन्तः शक्ति मे भी देखने को मिलती है। कुछ छात्रो मे यांत्रिक अभिक्षमता अधिक होती है तो कुछ छात्रो मे संख्यात्मक अभिक्षमता अधिक पाई जाती है।

* यौन विभिन्नता :- यौन विभिन्नता भी व्यक्तियो के मध्य देखने को मिलती है। बालिकाओं का शारीरिक विकास बालको के अपेक्षा तीव्र होता है। वही लडको का शरीर पेशीय भारी होता है। जबकि लडकियो का शरीर कोमल तथा लडको के अपेक्षा हल्का होता है। लडको तथा लडकियो के आवाज मे भी अंतर होता है।

Scanned with CamScanner